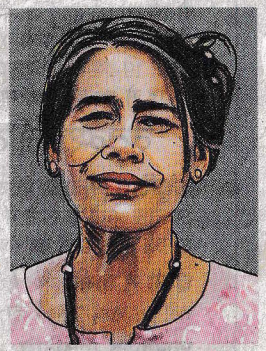
देश की पहली महिला नेचुरल हीलर

'आदि क्वीन ऑफ हर्ब्स' है यानुंग



यानुंग जामोह लेगो

देश की पहली प्रसिद्ध महिला नेचुरल हीलर के रूप में यानुंग जामोह लेगो को जाना जाता है। इन्हें 'आदि क्वीन ऑफ हर्ब्स' भी कहा जाता है। यानुंग अरुणाचल प्रदेश के आदि समुदाय से हैं और पारंपरिक औषधीय पौधों के जरिए इलाज करने वाली देश की सबसे प्रतिष्ठित लोक चिकित्सक हैं।

यानुंग का जन्म 9 जुलाई 1963 को अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग जिले के सीका तोदके गांव में हुआ था। औषधीय पौधों से इलाज करने का हुनर उन्होंने बचपन में ही अपने पिता से सीखा, जो खुद अपने आदि समुदाय के एक जाने-माने पारंपरिक चिकित्सक थे। चिकित्सा और पारंपरिक जड़ी-बूटियों के क्षेत्र में उनके इसी अभूतपूर्व योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें साल 2024 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को जीवित रखने के लिए 2009 में इंडिजिनस हर्बल हेरिटेज संस्था की स्थापना की, जिसके जरिए वे हजारों लोगों को औषधीय पौधों को उगाने और उनके उपयोग का प्रशिक्षण देती हैं। उन्होंने असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी से कृषि विज्ञान में एमएससी की। वे अरुणाचल प्रदेश के कृषि विभाग में डिप्टी डायरेक्टर के पद से 2023 में सेवानिवृत्त हुईं।

यानुंग ने अरुणाचल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में करीब 80 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया है। वे इन महिलाओं को जंगलों से सही औषधीय पौधों की पहचान करने और घरों में ही छोटे-छोटे हर्बल गार्डन तैयार करने की ट्रेनिंग देती हैं। ये महिलाएं इन जड़ी-बूटियों को उगाकर उनके क्लिनिक को बेचती हैं, जिससे उनकी नियमित कमाई भी होती है।